(b) Government had already set up the National Handloom Development Corporation (NHDC) for making available yarn, dyes and other raw materials to handloom weavers at reasonble prices. A scheme for supply of hank yarn to handloom/weavers at mill-rate prices is also being implemented through NHDC. Under this scheme Government reimburses NHDC a subsidy @ 2 per cent of the value of yarn supplied towards cost of transportation and overheads.

(c) and (d) Do not arise.

सूती धागे का निर्यात

2435. **चौधरी हरमोहन सिंह :** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार सूती धागे का निर्यात कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान कितनी मात्रा में तथा किस मूल्य पर सूती धागे का निर्यात किया गया ; और

(ग) क्या सूती धागे का निर्यात करने से पूर्व सरकार द्वारा भारतीय बुनकरों के लिये इसकी उपलब्धता संबंधी मामले पर विचार किया जाता है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) : (क) सरकार सूती यार्न का निर्यात नहीं कर रही है । सरकार केवल अलग-अलग वर्ष के आधार पर सूती यार्न के निर्यात के लिये केवल मात्रा संबंधी उच्चतम सीमा निर्धारित करती है ।

(ख) पिछले तीन केलेंडर वर्षों के दौरान सूती यार्न के निर्यात की मात्रा तथा मूल्य नीचे दिये गये हैं:-

वर्ष	मात्रा मिलियन किग्रा० में	मूल्य मिलियन रु० में
1990	83.17	4757.99
1991	120.03	8540.03
1992	122.08	11043.62

(ग) सूती यार्न के निर्यात की उच्चतम सीमा की घोषणा अपरिष्कृत कपास के उत्पादन तथा देशीय मांग तथा सूती यार्न का उत्पादन तथा कीमतों, विकेन्द्रीकृत हथकरघा क्षेत्र के लिए यार्न की जरूरतों आदि जैसे सभी संबद्ध संघटकों पर ध्यानपूर्वक विचार करने के बाद की जाती है ।

राष्ट्रीय वस्त्र निगम, गुजरात द्वारा थोक विक्रेताओं को छूट दिया जाना

2436. **श्री राम सिंह राठवा :** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय वस्त्र निगम, गुजरात अपने थोक विक्रेताओं को छूट देता है;

(ख) यदि हां, तो किन नियमों के अधीन यह छूट दी जाती है ;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक थोक विक्रेता को कितने-कितने प्रतिशत की कितनी-कितनी राशि की छूट दी गई;

(घ) क्या सरकार ने ऐसी छूट दिये जाने में होने वाले कदाचारों के संबंध में अपने स्तर पर कोई जांच करवाई है ; और